

॥ श्री स्वामी सामर्थ ॥

---

॥ श्री अप्सरा स्तोत्रः॥

---

॥श्रीगणेशायनमः॥

॥श्रीस्वामीसमर्थः॥

ध्यायेत शांतं प्रशांतं कमलं सुनयनं योगीराजं दयालुम्।  
देवम् मुद्रासनस्थं विमल तनु युतं मंदहास्यं कृपालाम्॥  
अनूका ,जामी ,मिश्रकेशी ,अलम्बुचा,मरिचि ,शुचिका ,  
विद्युत्पुर्णा,तिलोत्तमा ,अद्रिका ,लक्षणा ,रंभा ,मनोरमा ,  
असिता ,सुबाहु ,सुप्रिया ,सुभगा,उर्वशी ,चित्रलेखा ,  
सुग्रीवा ,सुलोचना ,पुंडरीका ,सुगंधा ,सुरथा ,प्रमाथिनि ,नंदा  
शारद्वती,मेनका ,सहजन्या ,पर्णिका ,पुञ्जिकस्थला॥

एता नीमाधुनामानी अप्सरानां च महात्म्यनाम  
एतद् स्मरणमात्रेण सौंदर्य वानांच भवती  
अदृष्य कार्य शक्तिम च लभते  
तथा सर्व कार्य सिद्धीम करोती नात्र संशयः॥

---

॥ श्रीगुरुदत्तात्रेयार्पणमस्तु ॥

॥ श्री स्वामी समर्थार्पणं मस्तु॥

---